भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग

प्रेस विज्ञप्ति
तारीखः 31 अक्टूबर, 2026
जारी करने का समय:1430 घंटे

विषय: (i) आज, 31 अक्टूबर को सुबह 08:30 बजे (IST) दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा अंडमान सागर के ऊपर एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 06 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में एक अवदाब में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, अगले 24 घंटों में इसके और अधिक तीव्र होकर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगा और 2 नवंबर 2026 की शाम के आसपास आंध्र प्रदेश तट के निकट, पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुँच जाएगा।
(ii) इस मौसमी प्रणाली के प्रभाव के कारण, 2 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है, और 3 नवंबर को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, 2 और 3 नवंबर को रायलसीमा में, तथा 3 और 4 नवंबर 2026 को ओडिशा में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 31 अक्टूबर, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- गंगीय पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा तेलंगाना में भारी से बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, छत्तीसगढ़ और तटीय आंध्र प्रदेश में भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुलग्नक I और II):

- दक्षिण अंडमान सागर और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के ऊपर बना कल का निम्न दाब क्षेत्र पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। आज, 31 अक्टूबर 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह तथा अंडमान सागर के आसपास के क्षेत्रों में एक सुस्पष्ट निम्न दाब क्षेत्र के रूप में स्थित है। इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और अगले 06 घंटों के दौरान इसी क्षेत्र में एक अवदाब में तब्दील होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, अगले 24 घंटों में इसके और अधिक तीव्र होकर एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। यह पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर आगे बढ़ेगा और 2 नवंबर 2026 की शाम के आसपास आंध्र प्रदेश तट के निकट, पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी तक पहुँच सकता है।
- एक नया पश्चिमी विक्षोभ मध्य और ऊपरी क्षोभमंडल में एक गर्त के रूप में मौजूद है, जो लगभग 29°N अक्षांश के उत्तर में 65°E देशांतर के साथ स्थित है।
- निचले क्षोभमंडल स्तरों में, दक्षिणी महाराष्ट्र तट और उसके आसपास के क्षेत्रों में एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- निचले क्षोभमंडल स्तर में, केरल-कर्नाटक तट के पास दक्षिण-पूर्वी अरब सागर से एक गर्त गुजर रही है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- 31 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 31 अक्टूबर और 3-4 नवंबर को केरल और माहे में; 1-6 नवंबर के बीच लक्षद्वीप में; 31 अक्टूबर-1 नवंबर और 4-6 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक,

रायलसीमा और तेलंगाना में; तथा 31 अक्टूबर-1 नवंबर और 5-6 नवंबर के बीच उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।

- 1-2 नवंबर और 5-6 नवंबर के बीच केरल और माहे में; 2-3 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, रायलसीमा और तेलंगाना में; तथा 2-4 नवंबर के बीच उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 2 नवंबर और 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 2-4 नवंबर के बीच रायलसीमा में; और 2-3 नवंबर के बीच तेलंगाना में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 1-4 नवंबर के बीच केरल और माहे, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 31 अक्टूबर-1 नवंबर के बीच तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा रायलसीमा में; और 31 अक्टूबर-1 नवंबर तथा 4 नवंबर को तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 1-4 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; तथा 1-3 नवंबर के बीच तटीय कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- 2-3 नवंबर के बीच तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा तेलंगाना में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। 1-4 नवंबर के दौरान केरल और माहे; 3 नवंबर को तटीय और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक; 2-5 नवंबर के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक; 1 नवंबर और 4 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम (इसके अलावा 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है); 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा।
- 2 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है।
- 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 70 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) आने की संभावना है।
- 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में तेज सतही हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 31 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 1-6 नवंबर के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह; 31 अक्टूबर से 3 नवंबर के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 31 अक्टूबर से 5 नवंबर के दौरान झारखंड; 31 अक्टूबर से 2 नवंबर के दौरान बिहार; और 31 अक्टूबर से 6 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- 31 अक्टूबर को अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में; और 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के दौरान ओडिशा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 31 अक्टूबर को बिहार, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में तेज हवाएं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा, जो झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- ओडिशा में 3-4 नवंबर के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश और 2 नवंबर को कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- 31 अक्टूबर से 4 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में; 31 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच विदर्भ में; और छत्तीसगढ़ में 1 नवंबर तथा 4 से 6 नवंबर के बीच कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- 31 अक्टूबर और 2 से 3 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में काफी व्यापक से लेकर व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- 2 नवंबर को छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 60 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है। इसके अलावा, 31 अक्टूबर और 4 नवंबर को पश्चिमी मध्य प्रदेश में; तथा 2 से 4 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की रफ्तार, जो 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है) चलने की संभावना है।
- 31 अक्टूबर से 1 नवंबर के बीच पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में; तथा छत्तीसगढ़ में 31 अक्टूबर से 1 नवंबर और 3 से 4 नवंबर के बीच कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।

- ❖ 3 से 4 नवंबर के बीच छत्तीसगढ़ में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 31 अक्टूबर से 6 नवंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 31 अक्टूबर और 2 नवंबर को असम और मेघालय में; तथा 31 अक्टूबर को नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान आने और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 1 से 2 नवंबर के बीच अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

हवा को लेकर चेतावनी:

अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा अंडमान सागर:

- ❖ आज, 31 अक्टूबर 2026 को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह व अंडमान सागर के आस-पास के इलाकों में तेज़ हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। इसके 1 नवंबर की सुबह तक जारी रहने की संभावना है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी और उससे सटे पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी:
- ❖ आज, 31 अक्टूबर 2026 को दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में तेज़ हवाएं चल रही हैं, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा है और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 1 नवंबर की सुबह तक, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी में हवा की गति बढ़कर 55-65 किमी प्रति घंटा हो सकती है, जो झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 1 नवंबर की दोपहर से 2 नवंबर की सुबह तक, दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में हवा की गति और बढ़कर 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 2 नवंबर की शाम से आधी रात तक यह 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रह सकती है और उसके बाद स्थिति में सुधार होगा।

पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी:

- ❖ 1 नवंबर की सुबह से यहाँ तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है। 1 नवंबर की दोपहर से हवा की गति और तेज़ होकर 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा तक) पहुँच सकती है। 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की दोपहर तक, हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 100 किमी प्रति घंटा तक) हो सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की शाम तक यह 55-65 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक) रह सकती है, और 4 नवंबर की सुबह से अगले 6 घंटों तक यह 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा तक) रह सकती है, जिसके बाद स्थिति में सुधार होगा। □ दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी:
- ❖ 1 नवंबर की सुबह से यहाँ तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की सुबह तक हवा की गति बढ़कर 55-65 किमी प्रति घंटा हो सकती है, जो झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और 3 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की सुबह तक 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रह सकती है।

आंध्र प्रदेश तट के साथ और उसके आस-पास:

- ❖ 1 नवंबर की शाम से आंध्र प्रदेश, उत्तरी तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों के साथ और उसके आस-पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 2 नवंबर की दोपहर तक हवा की गति और तेज़ होकर 65-75 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 85 किमी प्रति घंटा) तक पहुँचने की प्रबल संभावना है। 2 नवंबर की शाम से 3 नवंबर की दोपहर से पहले तक हवा की गति 80-90 किमी प्रति घंटा (झोंकों

के साथ 100 किमी प्रति घंटा) तक हो सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी; 3 नवंबर की शाम तक यह 55-65 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा) और 4 नवंबर की सुबह से अगले 6 घंटों तक 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रह सकती है, जिसके बाद स्थिति में सुधार होगा।

उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के साथ और उसके आस-पास:

- 1 नवंबर की शाम से यहाँ तेज़ हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 40-50 किमी प्रति घंटा होगी और झोंकों के साथ यह 60 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। 2 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की सुबह तक हवा की गति बढ़कर 55-65 किमी प्रति घंटा हो सकती है, जो झोंकों के साथ 75 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होगी और 3 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की सुबह तक 40-50 किमी प्रति घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी प्रति घंटा) रह सकती है। उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी ओडिशा तट के पास:
- 2 नवंबर की शाम से यहाँ मौसम खराब होने और 40-50 किमी/घंटा की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है, जो झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं। 3 नवंबर की सुबह से शाम तक हवा की गति बढ़कर 50-60 किमी/घंटा हो सकती है, जो झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। इसके बाद हवा की गति धीरे-धीरे कम होने लगेगी और 3 नवंबर की रात से 4 नवंबर की दोपहर तक यह 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) रह सकती है।

समुद्र की स्थिति:

- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और अंडमान सागर: 1 नवंबर की सुबह तक अंडमान सागर और उससे सटे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की प्रबल संभावना है।

दक्षिण-पूर्व और उससे सटे मध्य-पूर्वी बंगाल की खाड़ी:

- 1 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 1 नवंबर की दोपहर से 2 नवंबर की सुबह तक, दक्षिण-पूर्व और उससे सटे मध्य-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के पश्चिमी हिस्सों में स्थिति और खराब होकर 'बहुत खराब' से 'अत्यधिक खराब' (High) हो सकती है। इसके बाद, 2 नवंबर की शाम से आधी रात तक स्थिति में सुधार होना शुरू होगा और यह 'बहुत खराब' से 'खराब' की श्रेणी में आ जाएगी, और उसके बाद धीरे-धीरे और बेहतर होती जाएगी।

मध्य-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी:

- 1 नवंबर की सुबह से समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। 1 नवंबर की दोपहर से 3 नवंबर की दोपहर तक स्थिति और खराब होकर 'बहुत खराब' से 'अत्यधिक खराब' (High) होने की प्रबल संभावना है। इसके बाद, 4 नवंबर की सुबह तक स्थिति में सुधार होना शुरू होगा और यह 'बहुत खराब' से 'खराब' की श्रेणी में आ जाएगी, और उसके बाद और बेहतर होती जाएगी।

दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी:

- 1 नवंबर की सुबह से 3 नवंबर की दोपहर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा और 4 नवंबर की सुबह तक यह 'बहुत खराब' से 'खराब' की श्रेणी में आ जाएगी।
- आंध्र प्रदेश तट के पास और उससे दूर: 1 नवंबर की शाम से समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति और खराब हो सकती है और 2 नवंबर की दोपहर से 3 नवंबर की दोपहर तक यह 'अत्यधिक खराब' (High) हो सकती है। इसके बाद, 4 नवंबर की दोपहर तक स्थिति में सुधार होना शुरू होगा और यह 'बहुत खराब' से 'खराब' की श्रेणी में आ जाएगी, और उसके बाद और बेहतर होती जाएगी।

उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट के पास और उससे दूर:

- 1 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की सुबह तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है। इसके बाद स्थिति में धीरे-धीरे सुधार होगा।
- उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी ओडिशा तट के पास और उससे दूर:
- 2 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की दोपहर तक समुद्र की स्थिति खराब से बहुत खराब रहने की संभावना है, जिसके बाद इसमें सुधार होगा। मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- 1 नवंबर की सुबह तक अंडमान सागर और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के आसपास के इलाकों में।
- 1 और 2 नवंबर को दक्षिण-पूर्व और उससे सटे पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी में।
- 1 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की सुबह तक दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में।
- 1 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की दोपहर तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में।
- 2 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की दोपहर तक आंध्र प्रदेश के तट के आसपास।
- 1 नवंबर की सुबह से 4 नवंबर की सुबह तक उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी के तट के आसपास।
- 2 नवंबर की शाम से 4 नवंबर की दोपहर तक उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और दक्षिणी ओडिशा के तट के आसपास।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forcast_bulletin.php
जिला-वार चेतावनियों के लिए: https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php
मछुआरों की चेतावनी के लिए: https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 cm) (कल 0830 बजे IST से आज 0830 बजे IST तक अलग-अलग मौसम विभाग में) दर्ज की गई:

- गंगीय पश्चिम बंगाल: पानागढ़ 16
- अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: कार्निकोबार 12
- तेलंगाना: तडवई एमएलजी (जिला मुलुगु) 12
- बिहार:बक्सर 8
- तटीय आंध्र प्रदेश: तनुकु (जिला पश्चिम गोदावरी) 8
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम: युकसोम 7
- छत्तीसगढ़: जशपुर 7|

अनुलग्नक ।

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	31- Oct	1- Nov	2- Nov	3- Nov	4- Nov	5- Nov	6- Nov
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
3	ASSAM & MEHGHALAYA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
7	ODISHA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT
8	JHARKHAND	SCT	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
9	BIHAR	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY
14	PUNJAB	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	DRY
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	FWS	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	SCT	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	DRY	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT

- **जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।**

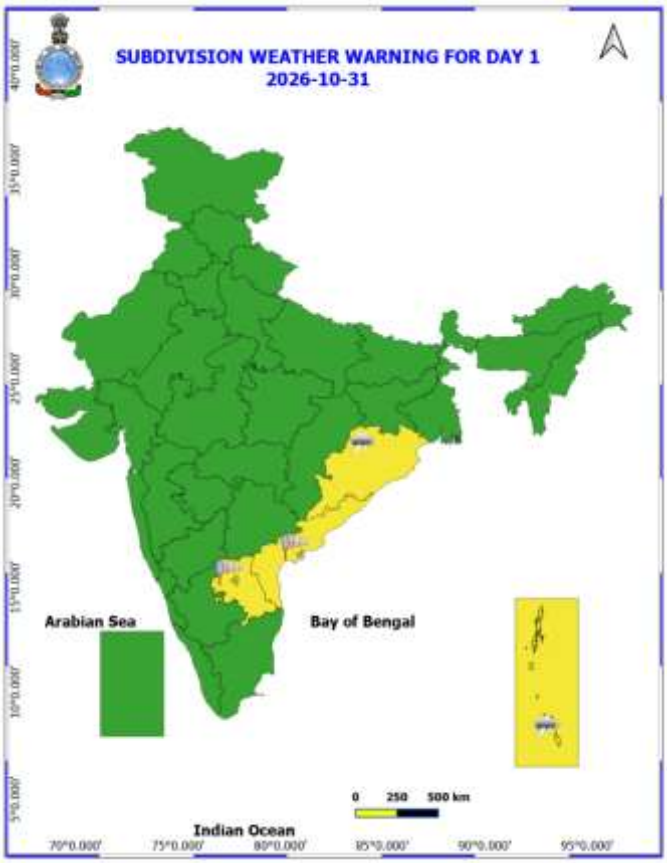
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 1
2026-10-31
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

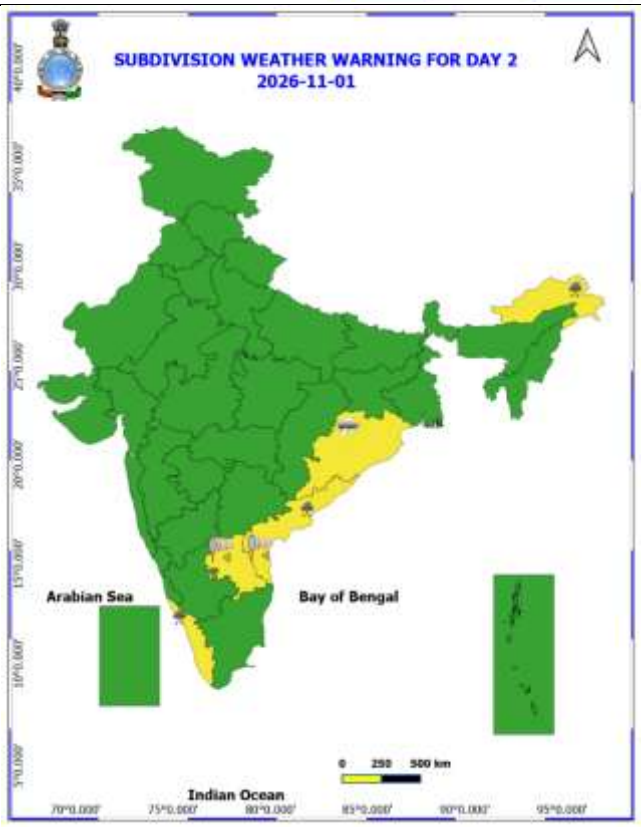
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 2
2026-11-01
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

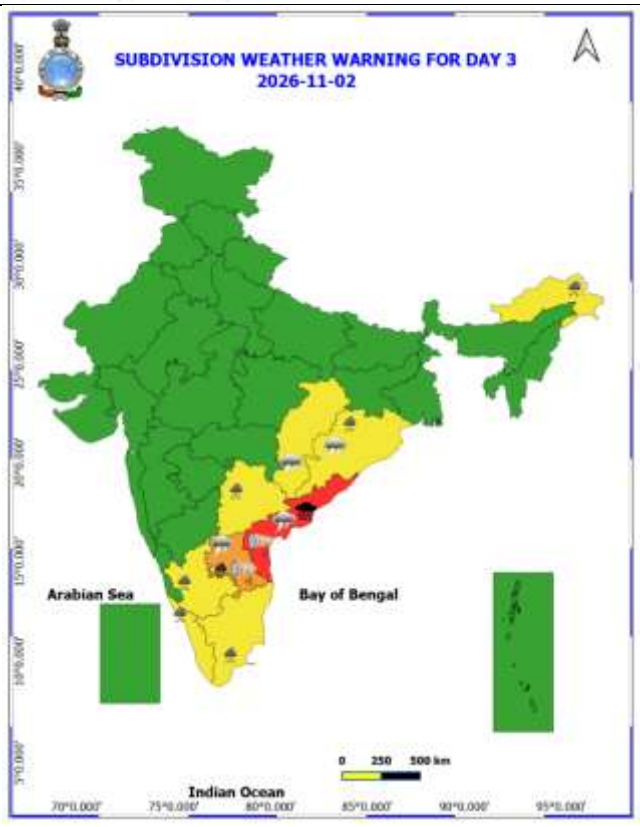
SUBDIVISION WEATHER WARNING FOR DAY 3
2026-11-02
Arabian Sea
Bay of Bengal
Indian Ocean
0 250 500 km

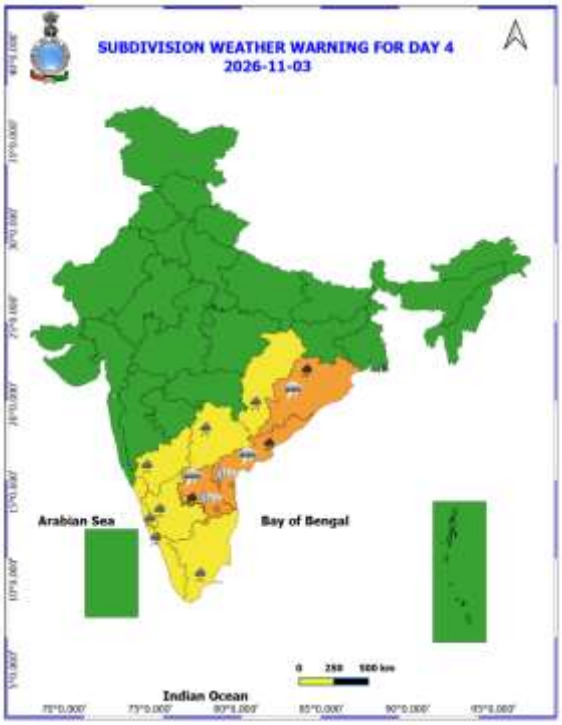

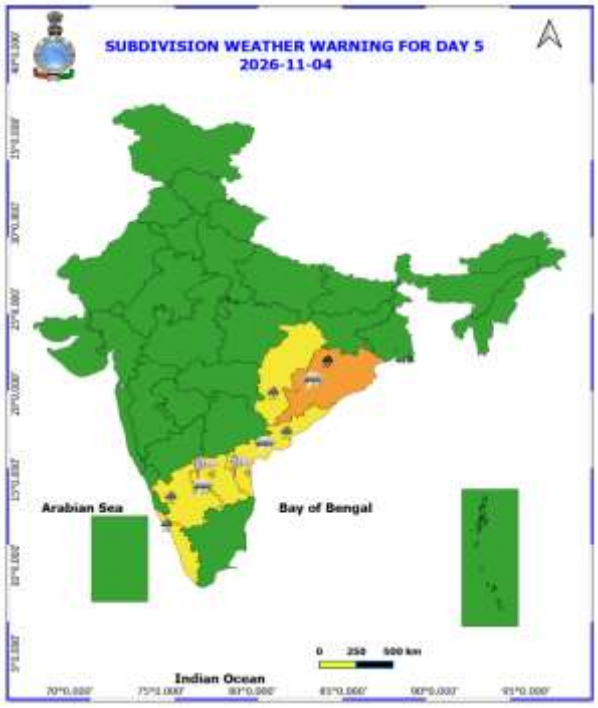

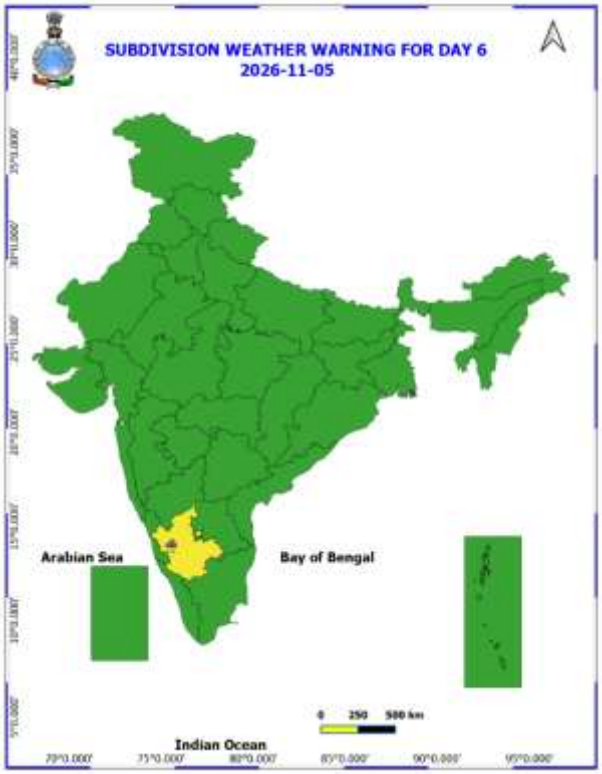

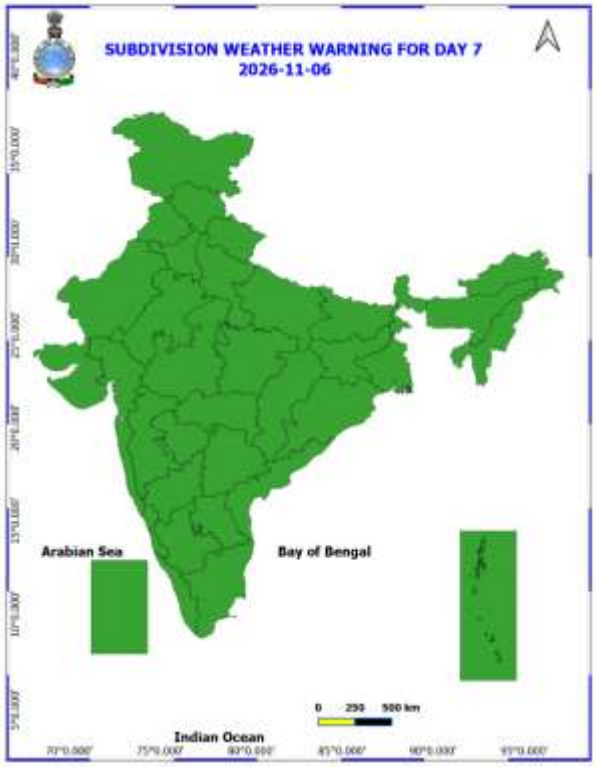

/

- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php

अनुलग्नक III

31 अक्टूबर से 03 नवंबर 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान में 4-5°C और न्यूनतम तापमान में 1-2°C की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 20-21°C और न्यूनतम तापमान 15-17°C के दायरे में रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-5.1°C या उससे कम) दर्ज किया गया। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी और बिजली कड़कने की घटनाएं हुईं। सफदरजंग में 0230 से 0630 IST के बीच सबसे कम विजिबिलिटी 500 मीटर दर्ज की गई, जो आज, 31.10.2026 को 0730 IST तक धीरे-धीरे सुधरकर 800 मीटर हो गई। पालम में 0430 से 0630 IST के बीच सबसे कम विजिबिलिटी 800 मीटर रही, जो आज, 31.10.2026 को 0700 IST तक धीरे-धीरे सुधरकर 1100 मीटर हो गई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान मुख्य रूप से बादल छाए रहे और पश्चिमी दिशा से 16 kmph तक की हवाएं चलीं, जिनकी गति कभी-कभी 36 kmph तक पहुंच गई। आज सुबह के समय इस क्षेत्र में आसमान मुख्य रूप से साफ रहा, जो बाद में आंशिक रूप से बादल छाए रहने की स्थिति में बदल गया; इस दौरान पश्चिमी दिशा से 15 kmph तक की हवाएं चलीं।

मौसम का पूर्वानुमान:

31.10.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 26-28°C के दायरे में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से काफी नीचे (-3.1°C से -5.0°C) रहेगा। मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति दोपहर के समय 20 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

01.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 16°C से 18°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के अधिकांश हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 22 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति 15 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

02.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, और दिल्ली के ज्यादातर हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने की उम्मीद है। सुबह के समय मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से हवा चलेगी, जिसकी गति 15 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटे तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है।

03.11.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम तापमान 28°C से 30°C और न्यूनतम तापमान 15°C से 17°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे (-1.6°C से -3.0°C) रहने के आसार हैं। सुबह के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से हवाएं चलने की संभावना है, जिनकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली इन हवाओं की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के समय हवा की गति कम होकर 15 किमी प्रति घंटा तक रह सकती है, जो उत्तर-पश्चिम दिशा से ही चलेगी।

अत्यधिक/ बहुत भारी बारिश के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- 2 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- 3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 2-3 नवंबर के दौरान रायलसीमा में; और 3 व 4 नवंबर को ओडिशा में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर:

- पेड़ों की टहनियाँ टूट सकती हैं और केले, पपीते, सहजन जैसे छोटे पेड़ उखड़ सकते हैं। तेज़ हवा और बारिश से बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- तेज़ हवा और बारिश के कारण कमज़ोर ढांचों को आंशिक नुकसान हो सकता है।
- भारी बारिश के कारण कच्चे घरों/दीवारों, झोपड़ियों और सड़कों को मामूली नुकसान हो सकता है।
- हल्की चीज़ें उड़ सकती हैं।
- छोटे जहाज़, ट्रॉलर और नावें प्रभावित हो सकती हैं।
- भारी बारिश और तेज़ हवाओं के कारण सड़क और रेल यातायात प्रभावित हो सकता है।
- निचले इलाकों में कहीं-कहीं भूस्खलन, कीचड़ का बहाव, ज़मीन खिसकने, जलभराव और बाढ़ की स्थिति बन सकती है।
- भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- हेलीकॉप्टर सेवाएँ प्रभावित हो सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की बिगड़ती स्थिति पर नज़र रखें और ज़रूरत पड़ने पर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे आश्रय न लें, क्योंकि बिजली गिर सकती है।
- बिजली गिरने की आशंका होने पर, बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकलें और बिजली का संचालन करने वाली सभी चीज़ों से दूर रहें।
- पर्यटन और मनोरंजक गतिविधियों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- तट के पास और समुद्र में होने वाली गतिविधियों को समझदारी से नियंत्रित किया जाना चाहिए।
- हेलीकॉप्टर सेवाओं को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

भारी बारिश की संभावना को देखते हुए कृषि-मौसम सलाह

- तटीय आंध्र प्रदेश में, धान, मूंगफली, कपास, अरहर, गन्ना, मक्का, सब्जियों, केले और पपीते के खेतों में, विशेष रूप से निचले इलाकों में, पानी की निकासी (ड्रेनेज) का उचित प्रबंध करें। धान की फसल में, जो पौधे गिर गए हैं उन्हें सावधानी से उठाकर बांध दें; केले और पपीते के फलों से लदे पौधों को सहारा दें, और गिरे हुए गन्ने को भी सहारा देकर खड़ा करें। मूंगफली और अन्य तैयार फसलों की कटाई मौसम साफ रहने के दौरान करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित व ढकी हुई जगह पर रखें। रबी मक्का, मूंग, उड़द, कुलथी और सनई की बुवाई तब तक न करें, जब तक कि मिट्टी में नमी की मात्रा उपयुक्त न हो जाए।
- रायलसीमा में, मूंगफली और अन्य खड़ी फसलों के खेतों में, जहाँ भी अतिरिक्त पानी जमा हो, उसे निकालने का उचित प्रबंध करें। चने की बुवाई केवल वहीं करें जहाँ मिट्टी में पर्याप्त नमी हो। कटी हुई फसल को बारिश से बचाकर रखें और खराब मौसम के दौरान कीटनाशक का छिड़काव या खाद डालने का काम टाल दें।
- ओडिशा में, धान, कपास, मक्का, मूंगफली, दालों, गन्ने और सब्जियों के खेतों में पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। धान की फसल में, बारिश का पानी निकल जाने के बाद, गिरे हुए पौधों (बालियों) को सावधानी से उठाकर बंडल में बांध दें। तैयार फसलों की कटाई तभी करें जब खेत काम करने लायक हों, और उपज को स्टोर करने से पहले अच्छी तरह सुखा लें।
- तेलंगाना में, मौसम साफ रहने के दौरान तैयार कपास की तुड़ाई जारी रखें और कटी हुई कपास को नमी-मुक्त जगह पर स्टोर करें। दक्षिणी तेलंगाना में, मूंग, उड़द, मूंगफली, सूरजमुखी और मक्के की बुवाई करें। खड़ी फसलों में पानी की निकासी का प्रबंध करें और केले, पपीते तथा अन्य नाजुक फसलों को सहारा दें। बारिश और आंधी-तूफान के दौरान खाद डालने, कीटनाशक छिड़कने या खेत से जुड़े अन्य काम न करें।

- तमिलनाडु में, तैयार धान और मूंगफली की कटाई करें और उपज को सुरक्षित व सूखी जगह पर रखें। कावेरी डेल्टा क्षेत्र में, धान और केले के खेतों में पानी की निकासी की व्यवस्था मजबूत करें ताकि फसलें पानी में न डूबें। भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान कीटनाशक छिड़कने या खेत के अन्य काम टाल दें।
- केरल में, रबी सीजन के लिए मुख्य खेत में धान की रोपाई जारी रखें; नर्सरी और मुख्य खेत दोनों जगह पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। केले और अन्य नाजुक फसलों को सहारा दें, और बारिश के दौरान खाद डालने, कीटनाशक छिड़कने या खेत के अन्य काम टाल दें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, मौसम साफ रहने के दौरान मक्के की कटाई जारी रखें, और धान के खेतों में पानी जमा न होने दें, इसके लिए पानी की निकासी का उचित प्रबंध करें। बारिश के दौरान सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल देना चाहिए।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए कृषि-मौसम सलाह

- कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मज़बूती से बांधें और ढककर रखें।
- तेज़ हवाओं के कारण फ़सल को गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्ज़ियों व छोटे फलों के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें।

पशुधन / पोल्ट्री / मत्स्य पालन पर भारी बारिश के संभावित असर के लिए सलाह

- भारी बारिश के दौरान जानवरों को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित चारा दें।
- चारे को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित जगह पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली के साथ पानी निकालने का रास्ता (आउटलेट) बनाएं ताकि अतिरिक्त पानी निकल सके और पानी ओवरफ़्लो होने पर मछलियां बाहर न निकल पाएं।

संकेत और संक्षिप्त नाम:

- भारी बारिश: 64.5-115.5 मिमी; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4 मिमी; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4 मिमी।
- Obsy: वेधशाला (Observatory); Automatic Weather Station; ARG: Automatic Rain Gauge; dist: ज़िला; NH: नेशनल हाईवे; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर वैली कॉर्पोरेशन; PTO: पार्ट टाइम ऑफिस; Aero: एयरोड्रोम; IAF: भारतीय वायु सेना।
- मौसम संबंधी उप-विभागों का क्षेत्र-वार वर्गीकरण:
- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गांगेय पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- उत्तर-पूर्व भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र (कोंकण) और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा लक्षद्वीप।

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप

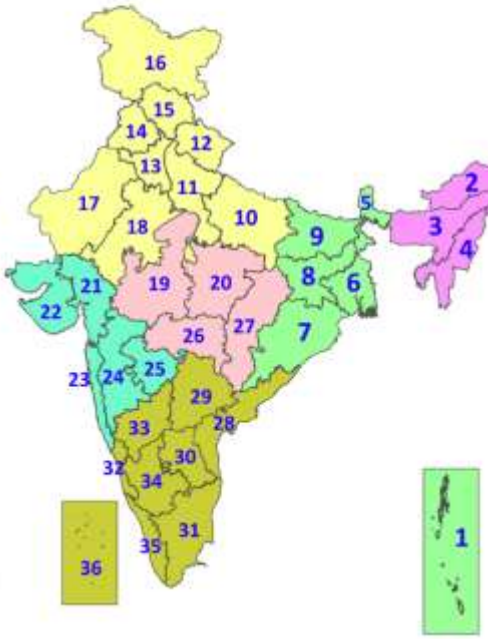

1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

Fog
Heavy Rain
Very Heavy Rain
Extremely Heavy Rain
Thunder & Lightning
Hailstorm
Dust Raising Winds

Heavy Snow
Dust Storm
Heat Wave
Warm Night
Hot Day
Hot & Humid
Strong Surface Winds

Cold Wave
Cold Day
Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)

राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र
भारत मौसम विज्ञान विभाग
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय

National Weather Forecasting Centre
India Meteorological Department
Ministry of Earth Sciences

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *	**Heavy:** 64.5 to 115.5 mm/cm * **Very Heavy:** 115.6 to 204.4 mm/cm* **Extremely Heavy:** > 204.4 mm/cm *
Heat Wave	**When maximum temperature of a station reaches ≥40° C for plains and ≥30° C for hilly regions** **(a) Based on Departure from normal** **Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal 4.5° C to 6.4° C. **Severe Heat Wave:** Maximum Temperature Departure from normal ≥6.5° C **(b). Based on Actual maximum temperature** **Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥45°C. **Severe Heat Wave:** When actual maximum temperature ≥47°C **(c). Criteria for heat wave for coastal stations** When maximum temperature departure is >4.5°C from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature ≥37°C
Warm Night	**When maximum temperature remains 40°C** **Warm Night:** When minimum temperature departure 4.5 °C to 6.4 °C. **Severe Warm Night:** When minimum temperature departure >6.4 °C.
Cold Wave	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions.** **(a). Based on departure** **Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Wave:** Minimum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C **(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)** **Cold Wave :** When Minimum Temperature is ≤ 4.0 °C **Severe Cold Wave:** When Minimum Temperature is ≤ 2.0 °C **(c) For Coastal Stations** When Minimum Temperature departure is ≤-4.5 °C & actual Minimum Temperature is ≤ 15 °C
Cold Day	**When minimum temperature of a station ≤10°C for plains and ≤0°C for hilly regions** **Based on departure** **Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal -4.5 °C to -6.4 °C. **Severe Cold Day:** Maximum Temperature Departure from normal ≤ -6.5 °C
Fog	**Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility < 1km** **Moderate Fog:** When the visibility between 500-200 metres **Dense Fog:** when the visibility between 50- 200 metres **Very Dense Fog:** when the visibility < 50 metres
Thunderstorm	**Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)**
Dust/Sand Storm	**An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.**
Frost	**Ice deposits on ground** Air temperature ≤4°C (over Plains)
Squall	**A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.** **Moderate**: Wind speed 52-61 kmph **Severe**: Wind speed 62-87 kmph **Very Severe**: Wind speed >87 kmph
Sea State	**Effect of various waves in the sea over specific area** **Rough to very rough**: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre **High to very high**: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre **Phenomenal**: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre
Cyclone	**Cyclonic Storm**: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots) **Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots) **Very Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots) **Extremely Severe Cyclonic Storm**: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots) **Super Cyclone Strom**: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit https://mausam.imd.gov.in or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)